WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

रविवार

30 जुलाई, 2023

अंक - 452

श्री अन्न यानी मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देना ही समय की मांगः कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती किसानी में समय के अनुसार बदलाव अत्यंत जरूरी है। डॉ सिंह ने ने बताया कि मोटे अनाजों की खेती से प्रदेश के किसानों को अन्य फसलों की तुलना में मुनाफा अधिक होगा। उन्होंने बताया कि मोटे अनाजों में अधिक प्रोटीन, फाइबर,कैल्शियम व मिनरल पाए जाते हैं।जो स्वास्थ्य हेतु अत्यंत लाभकारी हैं। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि कृषक हितेषी कार्यों के दृष्टिगत कुलपति ने इस वर्ष विश्वविद्यालय के नवाबगंज प्रक्षेत्र पर श्री अन्न यानी मोटे अनाजों की क्रॉप कैफेटेरिया भी विकसित करवाई है। जिससे कृषि छात्र एवं किसान श्री अन्न जैसे ज्वार,बाजरा,रागी,कुट्टू, काकून, चीना, सांवा, कोदो आदि की विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थानों द्वारा विकसित प्रजातियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।निदेशक

बीज एवं प्रक्षेत्र विजय कुमार यादव ने बताया कि कुलपति के निर्देशानुसार इस वर्ष खरीफ सीजन में विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्र पर 5 हेक्टेयर सांवा, 1 हेक्टेयर कोदो, लगभग 1 एकड़ का काकून एवं ज्वार तथा बाजरा आदि फसलों का बीज उत्पादन किया जा रहा है। जिससे आगामी वर्षों में कृषकों को श्री अन्न की उन्नतशील प्रजातियों के बीज उपलब्ध कराए जा सके। और किसानों की आय में बढ़ोतरी हो। क्योंकि मोटे अनाजों की खेती को बढ़ावा देना समय की मांग है।

दैनिक जागरण 31/07/2023
www.jagran.com

एक नजर में

'श्री अन्न की खेती को बढ़ावा देना समय की मांग'

कानपुर : खेती में समय के अनुसार बदलाव जरूरी है। श्री अन्न यानी मोटे अनाजों की खेती से किसानों को अन्य फसलों की तुलना में अधिक मुनाफा होगा। श्री अन्न की खेती को बढ़ावा देना समय की मांग है। मोटे अनाजों में अधिक प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम व मिनरल पाए जाते हैं। जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। सीएसए के कुलपति डा. आनन्द कुमार सिंह ने यह जानकारी दी। जास

वर्ष-17 अंक-209 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, सोमवार 31 जुलाई 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 जुलाई

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत किसानों की फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान पर किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।उन्होंने बताया कि खरीफ की फसलों का बीमा कराने हेतु अंतिम तिथि 31 जुलाई 2023 है। अतः किसान आज ही समय से अपनी खरीफ फसलों का बीमा करा लें। जिससे होने वाली आर्थिक क्षति से बचा जा सके। राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं फसल बीमा योजना के विशेषज्ञ डॉक्टर विकास कुमार ने बताया कि खरीफ फसल के लिए बीमित राशि का 2त्न प्रीमियम राशि देय है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में खरीफ में धान,मक्का,बाजरा, तिल,उड़द,अरहर एवं ज्वार हेतु एचडीएफसी एग्रो जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा बीमा किया जा रहा है।डॉ कुमार ने किसानों को सलाह दी है कि अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 011 2338 1092 या फसल बीमा विशेषज्ञ डॉक्टर विकास कुमार के 80 0448 2305 नंबर पर किया जा सकता है।

वर्ष-17 अंक-209 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, सोमवार 31 जुलाई 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

श्री अन्न यानी मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देना ही समय की मांग

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती किसानी में समय के अनुसार बदलाव अत्यंत जरूरी है। डॉ सिंह ने ने बताया कि मोटे अनाजों की खेती से प्रदेश के किसानों को अन्य फसलों की तुलना में मुनाफा अधिक होगा। उन्होंने बताया कि मोटे अनाजों में अधिक प्रोटीन, फाइबर,कैल्शियम व मिनरल पाए जाते हैं।जो स्वास्थ्य हेतु अत्यंत लाभकारी हैं। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि कृषक हितेषी कार्यों के दृष्टिगत कुलपति ने इस वर्ष विश्वविद्यालय के नवाबगंज प्रक्षेत्र पर श्री अन्न यानी मोटे अनाजों की क्रॉप कैफेटेरिया भी विकसित करवाई है। जिससे कृषि छात्र एवं किसान श्री अन्न जैसे ज्वार,बाजरा,रागी,कुट्टू, काकून, चीना, सांवा, कोदो आदि की विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थानों द्वारा विकसित प्रजातियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र विजय कुमार यादव ने बताया कि कुलपति के निर्देशानुसार इस वर्ष खरीफ सीजन में विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्र पर 5 हेक्टेयर सांवा, 1 हेक्टेयर कोदो, लगभग 1 एकड़ का काकून एवं ज्वार तथा बाजरा आदि फसलों का बीज उत्पादन किया जा रहा है। जिससे आगामी वर्षों में कृषकों को श्री अन्न की उन्नतशील प्रजातियों के बीज उपलब्ध कराए जा सके। और किसानों की आय में बढ़ोतरी हो। क्योंकि मोटे अनाजों की खेती को बढ़ावा देना समय की मांग है।

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-145 कानपुर, सोमवार 31 जुलाई 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 जुलाई

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत किसानों की फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान पर किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है उन्होंने बताया कि खरीफ की फसलों का बीमा कराने हेतु अंतिम तिथि 31 जुलाई 2023 है अत: किसान आज ही समय से अपनी खरीफ फसलों का बीमा करा लें जिससे होने वाली आर्थिक क्षति से बचा जा सके राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं फसल बीमा योजना के विशेषज्ञ डॉक्टर विकास कुमार ने बताया कि खरीफ फसल के लिए बीमित राशि का 2त्र प्रीमियम राशि देय है उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में खरीफ में धान, मक्का, बाजरा, तिल, उड़द, अरहर एवं ज्वार हेतु एचडीएफसी एग्रो जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा बीमा किया जा रहा है डॉ कुमार ने किसानों को सलाह दी है कि अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 011-23381092 या फसल बीमा विशेषज्ञ डॉक्टर विकास कुमार के 8004482305 नंबर पर किया जा सकता है।

Title-code: UPHIN-48963

E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

31,07,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल 9956834016

पत्रकार जीतेंद्र सिंह पटेल

श्री अन्न यानी मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देना ही समय की मांग : कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह

Reporter

****

पत्रकार जीतेंद्र सिंह पटेल

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती किसानी में समय के अनुसार बदलाव अत्यंत जरूरी है। डॉ सिंह ने ने बताया कि मोटे अनाजों की खेती से प्रदेश के किसानों को अन्य फसलों की तुलना में मुनाफा अधिक होगा। उन्होंने बताया कि मोटे अनाजों में अधिक प्रोटीन, फाइबर,कैल्शियम व मिनरल पाए जाते हैं।जो स्वास्थ्य हेतु अत्यंत लाभकारी हैं। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि कृषक हितेषी कार्यों के दृष्टिगत कुलपति ने इस वर्ष विश्वविद्यालय के नवाबगंज प्रक्षेत्र पर श्री अन्न यानी मोटे अनाजों की क्रॉप कैफेटेरिया भी विकसित करवाई है। जिससे कृषि छात्र एवं किसान श्री अन्न जैसे ज्वार,बाजरा,रागी,कुट्टू, काकून, चीना, सांवा, कोदो आदि की विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थानों द्वारा विकसित प्रजातियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र विजय कुमार यादव ने बताया कि कुलपति के निर्देशानुसार इस वर्ष खरीफ सीजन में विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्र पर 5 हेक्टेयर सांवा, 1 हेक्टेयर कोदो, लगभग 1 एकड़ का काकून एवं ज्वार तथा बाजरा आदि फसलों का बीज उत्पादन किया जा रहा है। जिससे आगामी वर्षों में कृषकों को श्री अन्न की उन्नतशील प्रजातियों के बीज उपलब्ध कराए जा सके। और किसानों की आय में बढ़ोतरी हो। क्योंकि मोटे अनाजों की खेती को बढ़ावा देना समय की मांग है।

Title-code: UPHIN-48963

E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

31,07,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल 9956834016

पत्रकार जीतेंद्र सिंह पटेल

फसल जोखिम को कम करने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 जुलाई

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत किसानों की फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान पर किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि खरीफ की फसलों का बीमा कराने हेतु अंतिम तिथि 31 जुलाई 2023 है। अतः किसान आज ही समय से अपनी खरीफ फसलों का बीमा करा लें। जिससे होने वाली आर्थिक क्षति से बचा जा सके। राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं फसल बीमा योजना के विशेषज्ञ डॉक्टर विकास कुमार ने बताया कि खरीफ फसल के लिए बीमित राशि का 2% प्रीमियम राशि देय है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में खरीफ में धान,मक्का,बाजरा, तिल,उड़द,अरहर एवं ज्वार हेतु एचडीएफसी एग्रो जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा बीमा किया जा रहा है।डॉ कुमार ने किसानों को सलाह दी है कि अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 011 2338 1092 या फसल बीमा विशेषज्ञ डॉक्टर विकास कुमार के 80 0448 2305 नंबर पर किया जा सकता है

दैनिक जागरण कानपुर 31/07/2023

खरीफ की फसलों का 31 जुलाई तक होगा बीमा

कानपुर : सीएसए के विज्ञानी डा. सोहन लाल वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 31 जुलाई तक खरीफ की फसलों का बीमा किया जाएगा। फसल बीमा योजना के विशेषज्ञ डा. विकास कुमार ने बताया कि खरीफ में धान, मक्का, बाजरा, तिल, उड़द, अरहर व ज्वार के लिए दो प्रतिशत प्रीमियम राशि देकर एचडीएफसी एग्रो जनरल इंश्योरेंस कंपनी से किसान बीमा करा सकते हैं। (वि.)

फसल जोखिम को कम करने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पंजीकरण 31 जुलाई तक

डीटीएनएन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत किसानों की फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान पर किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।उन्होंने बताया कि खरीफ की फसलों का बीमा कराने हेतु अंतिम तिथि 31 जुलाई 2023 है। अतः किसान आज ही समय से अपनी खरीफ फसलों का बीमा करा लें। जिससे होने वाली आर्थिक क्षति से बचा जा सके। राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं फसल बीमा योजना के विशेषज्ञ डॉक्टर विकास कुमार ने बताया कि खरीफ फसल के लिए बीमित राशि का 2त्न प्रीमियम राशि देय है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में खरीफ में धान,मक्का,बाजरा, तिल,उड़द,अरहर एवं ज्वार हेतु एचडीएफसी एग्रो जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा बीमा किया जा रहा है।डॉ कुमार ने किसानों को सलाह दी है कि अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 011 2338 1092 या फसल बीमा विशेषज्ञ डॉक्टर विकास कुमार के 80 0448 2305 नंबर पर किया जा सकता है

श्री अन्न यानी मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देना ही समय की मांगः कुलपति

डीटीएन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती किसानी में समय के अनुसार बदलाव अत्यंत जरूरी है। डॉ सिंह ने ने बताया कि मोटे अनाजों की खेती से प्रदेश के किसानों को अन्य फसलों की तुलना में मुनाफा अधिक होगा। उन्होंने बताया कि मोटे अनाजों में अधिक प्रोटीन, फाइबर,कैल्शियम व मिनरल पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य हेतु अत्यंत लाभकारी हैं। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि कृषक हितेषी कार्यों के दृष्टिगत कुलपति ने इस वर्ष विश्वविद्यालय के नवाबगंज प्रक्षेत्र पर श्री अन्न यानी मोटे अनाजों की क्रॉप कैफेटेरिया भी विकसित करवाई है। जिससे कृषि छात्र एवं किसान श्री अन्न जैसे ज्वार,बाजरा,रागी,कुट्टू, काकून, चीना, सांवा, कोदो आदि की विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थानों द्वारा विकसित प्रजातियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र विजय कुमार यादव ने बताया कि कुलपति के निर्देशानुसार इस वर्ष खरीफ सीजन में विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्र पर 5 हेक्टेयर सांवा, 1 हेक्टेयर कोदो, लगभग 1 एकड़ का काकून एवं ज्वार तथा बाजरा आदि फसलों का बीज उत्पादन किया जा रहा है। जिससे आगामी वर्षों में कृषकों को श्री अन्न की उन्नतशील प्रजातियों के बीज उपलब्ध कराए जा सके। और किसानों की आय में बढ़ोतरी हो। क्योंकि मोटे अनाजों की खेती को बढ़ावा देना समय की मांग है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पंजीकरण की अंतिम तिथि आज

कानपुर, 30 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत किसानों की फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान पर किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि खरीफ की फसलों का बीमा कराने हेतु अंतिम तिथि 31 जुलाई 2023 है। अतः किसान आज ही समय से अपनी खरीफ फसलों का बीमा करा लें। जिससे होने वाली आर्थिक क्षति से बचा जा सके। राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं फसल बीमा योजना के विशेषज्ञ डा. विकास कुमार ने बताया कि खरीफ फसल के लिए बीमित राशि का 2 प्रतिशत प्रीमियम राशि देय है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में खरीफ में धान, मक्का, बाजरा, तिल, उड़द, अरहर एवं ज्वार हेतु एचडीएफसी एग्रो जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा बीमा किया जा रहा है। डॉ कुमार ने किसानों को सलाह दी है कि अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 011 2338 1092 या फसल बीमा विशेषज्ञ डॉक्टर विकास कुमार के 80 0448 2305 नंबर पर किया जा सकता है

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 33 कानपुर, सोमवार 31 जुलाई 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देना समय की मांग

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती किसानी में समय के अनुसार बदलाव अत्यंत जरूरी है। डॉ सिंह ने ने बताया कि मोटे अनाजों की खेती से प्रदेश के किसानों को अन्य फसलों की तुलना में मुनाफा अधिक होगा। उन्होंने बताया कि मोटे अनाजों में अधिक प्रोटीन फाइबर कैल्शियम व मिनरल पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य हेतु अत्यंत लाभकारी हैं। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि कृषक हितेषी कार्यों के दृष्टिगत कुलपति ने इस वर्ष विश्वविद्यालय के नवाबगंज प्रक्षेत्र पर श्री अन्न यानी मोटे अनाजों की क्रॉप कैफेटेरिया भी विकसित करवाई है। जिससे कृषि छात्र एवं किसान श्री अन्न जैसे ज्वार बाजरा, रागी, कुट्टू, काकून, चीना, सांवा, कोदो आदि की विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थानों द्वारा विकसित प्रजातियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।निदेशक बीज एवं

प्रक्षेत्र विजय कुमार यादव ने बताया कि कुलपति के निर्देशानुसार इस वर्ष खरीफ सीजन में विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्र पर 5 हेक्टेयर सांवा, 1 हेक्टेयर कोदो, लगभग 1 एकड़ का काकून एवं ज्वार तथा बाजरा आदि फसलों का बीज उत्पादन किया जा रहा है। जिससे आगामी वर्षों में कृषकों को श्री अन्न की उन्नतशील प्रजातियों के बीज उपलब्ध कराए जा सके। और किसानों की आय में बढ़ोतरी हो। क्योंकि मोटे अनाजों की खेती को बढ़ावा देना समय की मांग है।

श्री अन्न यानी मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देना ही समय की मांग : कुलपति

कानपुर, 30 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती किसानी में समय के अनुसार बदलाव अत्यंत जरूरी है। डॉ सिंह ने ने बताया कि मोटे अनाजों की खेती से प्रदेश के किसानों को अन्य फसलों की तुलना में मुनाफा अधिक होगा। उन्होंने बताया कि मोटे अनाजों में अधिक प्रोटीन, फाइबर,कैल्शियम व मिनरल पाए जाते हैं। जो स्वास्थ्य हेतु अत्यंत लाभकारी हैं। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि कृषक हितेषी कार्यों के दृष्टिगत कुलपति ने इस वर्ष विश्वविद्यालय के नवाबगंज प्रक्षेत्र पर श्री अन्न यानी मोटे अनाजों की क्रॉप कैफेटेरिया भी विकसित करवाई है। जिससे कृषि छात्र एवं किसान श्री अन्न जैसे ज्वार,बाजरा,रागी,कुट्टू, काकून, चीना, सांवा, कोदो आदि की विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थानों द्वारा विकसित प्रजातियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र विजय कुमार यादव ने बताया कि कुलपति के निर्देशानुसार इस वर्ष खरीफ सीजन में विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्र पर 5 हेक्टेयर सांवा, 1 हेक्टेयर कोदो, लगभग 1 एकड़ का काकून एवं च्वार तथा बाजरा आदि फसलों का बीज उत्पादन किया जा रहा है। जिससे आगामी वर्षों में कृषकों को श्री अन्न की उन्नतशील प्रजातियों के बीज उपलब्ध कराए जा सके। और किसानों की आय में बढ़ोतरी हो। क्योंकि मोटे अनाजों की खेती को बढ़ावा देना समय की मांग है।

वीसी डॉ आनंद कुमार सिंह

मोटे अनाजों में अधिक पाया जाता है प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम व मिनरल

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

देश' अभियान से जुड़ें देशवासी : पीएम मोदी 12

पिता ने नाबालिग पुत्र के पैरों में बेड़ियां डालकर...

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ की फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों की फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान पर आर्थिक सहायता दी जाती है।

योजना के तहत खरीफ की फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2023 है। यह जानकारी देते हुए चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक डॉ.सोहन लाल वर्मा ने बताया कि किसान अपनी खरीफ फसलों का बीमा समय से करा लें। जिससे होने वाली आर्थिक क्षति से बचा जा सके। राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं फसल बीमा योजना के विशेषज्ञ डॉ.विकास कुमार ने बताया कि खरीफ फसल के लिए बीमित राशि का 2 फीसदी प्रीमियम राशि देय है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में खरीफ में धान,मक्का,बाजरा, तिल,उड़द,अरहर एवं ज्वार के लिए एचडीएफसी एग्रो जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा बीमा किया जा रहा है। उन्होंने किसानों को अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 011 2338 1092 या फसल बीमा विशेषज्ञ डॉ.विकास कुमार के 80 0448 2305 नंबर पर संपर्क करने की सलाह दी।